पाठ–13

धरती धोरां री

धरती धोरां री,
आ तो सुरगां नै सरमावै,
ईं पर देव रमण नै आवै,
ईं रो जस नर नारी गावै,
धरती धोरां री!

काळा बादळिया घहरावै,
बिरखा घूघरिया घमकावै,
बिजळी डरती ओला खावै,
धरती धोरां री!

सूरज कण कण नै चमकावै,
चन्दो इमरत रस बरसावै,
तारा निछरावळ कर ज्यावै,
धरती धोरां री!

लुळ–लुळ बाजरियो लैरावै,
मक्की झालो दे'र बुलावै,
कुदरत दोन्यूं हाथ लुटावै,
धरती धोरां री!

पंछी मधरा–मधरा बोलै,
मिसरी मीठै सुर स्यूँ घोळै,
झीणूँ बायरियो पंपोळै,
धरती धोरां री!

नारा नागौरी हिद ताता,
मदुआ ऊंट अणूंता खाथा!
ईं रै घोड़ां री के बातां?
धरती धोरां री!

ईं रा फळ फुलड़ा मन भावण,
ईं रै धीणो आंगण–आंगण,
बाजै सगळा स्यूं बड़ भागण,
धरती धोरां री!

ईं रो चितौड़ो गढ़ लूंठो,
ओ तो रण वीरां रो खूंटो,
ई रो जोधाणूं नौ कुंटो,
धरती धोरां री!

आबू आभै रै परवाणैं,
लूणी गंगाजी ही जाणै,
ऊभो जयसलमेर सिंवाणै,
धरती धोरां री!

ईं रो बीकाणूं गरबीलो,
ईं रो अलवर जबर हठीलो,
ईं रो अजयमेर भड़कीलो,
धरती धोरां री!

जैपर नगर्‌यां में पटराणी,
कोटा–बूंदी कद अणजाणी!
चंबल कैवै आं री का'णी,
धरती धोरां री!

कोनी नांव भरतपुर छोटो,
घूम्यो सूरजमल रो घोटो,
खाई मात फिरंगी मोटो,
धरती धोरां री!

ईं स्यूं नहीं माळवो न्यारो,
मोबी हरियाणो है प्यारो,
मिलतो तीन्यां रो उणियारो,
धरती धोरां री!

ईडर पालनपुर है ईंरा,
सागी जामण जाया बीरा,
अै तो टुकुड़ा मरु रै जी रा,
धरती धोरां री!

सोरठ बंध्यो सोरठां लारै,
भेळप सिंध आप हंकारै,
मूमल बिसर्‌यो हेत चितारै,
धरती धोरां री!

ईं पर तनड़ो मनड़ो वारां,
ईं पर जीवण प्राण उंवारां,
ईं री धजा उडै गिगनारां,
मायड़ कोड़ां री!

ईं नै मोत्यां थाळ बधावां,
ईं री धूळ लिलाड़ लगावां,
ईं रो मोटो भाग सरावां,
धरती धोरां री!

ईं रै सत री आण निभावां,
ईं रै पत नै नहीं लजावां,
ईं नै माथो भेंट चढ़ावां,
मायड कोड़ा री!
धरती धोरां री!

कन्हैयालाल सेठिया

शब्दार्थ

जस	–	यश	लैरावै	–	लहराता है
बायरियो	–	हवा	आर्थे	–	आकाश
मात	–	हार	नारा	–	बैल
मदुआ	–	मदमस्त	खाथा	–	उतावला
उणियारो	–	चेहरा	बीरा	–	भाई
हेत	–	प्रेम	लिलाड़	–	ललाट
मोबी	–	ज्येष्ठ	अणूंता	–	अत्यधिक
सिंवाणै	–	सीमावर्ती	मायड़	–	माता
धीणो	–	दुधारु पशुओं की उपलब्धता			

अभ्यास कार्य

पाठ से

उच्चारण के लिए

निछरावल, पंपोळे, अंणूता, अणजाणी, लुळ–लुळ, लिलाड़

सोचें और बताएँ

1. नर–नारी किसका यश गाते हैं?
2. अमृत रस कौन बरसाता है?
3. इस धरती का कण–कण कौन चमकाता है?

लिखें

बहुविकल्पी प्रश्न

1. लूणी नदी की तुलना की गई है–

(क)यमुना से (ख) गंगा से
(ग) ब्रह्मपुत्र से (घ) कावेरी से ( )

2. नगरों में पटरानी कहा गया है–

(क) जोधपुर को (ख) अलवर को
(ग) जयपुर को (घ) भरतपुर को ( )

3. इस कविता में किस प्रदेश की महिमा का वर्णन हुआ है–

(क)राजस्थान की (ख) पंजाब की
(ग) उत्तर प्रदेश की (घ) गुजरात की ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) ईं रो ..... गढ़ लूंठो।
ओ तो ..... रा खूंटों।

(ख) आ तो .....नै सरमावै।
ईं पर..... रमण नै आवै।

(ग) ईं नै ..... थाल बधावां।
ईं री ..... लिलाड़ लगावा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. राजा सूरजमल ने अपनी वीरता कहाँ दिखाई ?
2. धोरों की धरती के 'जामण जाया वीर' किसे कहा गया है ?
3. राजस्थान की दो मुख्य फसलें कौनसी हैं ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि ने राजस्थान की धरती को 'धोरों की धरती' क्यों कहा है ?विस्तार से लिखिए।
2. राजस्थान के प्रमुख पालतू पशु कौन–कौनसे हैं? उनकी विशेषताएँ भी लिखिए।

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए राजस्थानी शब्दों को समानार्थी हिंदी शब्दों से मिलान कीजिए–

जयसलमेर	न्योछावर
इमरत	जैसलमेर
निछारावल	अमृत

2. निम्नलिखित वाक्यांशो को पढ़िए–

धोरां री	धोरों की	सगळा स्यूं	सबसे
सुरगा नै	स्वर्ग को	वीरां रो	वीरों का
मरु रै	रेगिस्तान के		

उपर्युक्त वाक्यांशो में राजस्थानी में का,के,की,को से चिह्नों के लिए रो,रै,री,नै,स्यूं, चिह्नों का प्रयोग हुआ है। **जो चिह्न् वाक्यों में संज्ञा व सर्वनाम को क्रिया के साथ जोड़ते हैं। इन्हें कारक चिह्न कहते हैं।**

हिंदी में आठ प्रकार के कारक हैं–

कारक	**चिह्न**
कर्ता कारक	ने
कर्म कारक	को
करण कारक	से (के द्वारा)

संप्रदान कारक	के लिए
अपादान कारक	से (अलग होना)
संबंधकारक	का, के, की, ना, ने, नी, रा, रे, री
अधिकरण कारक	में, पर
संबोधन कारक	हे, अरे, ओ

आप भी कविता में से 10 कारक युक्त पंक्तियों को छाँटिए और लिखिए?

3. कविता में लुळ–लुळ, पंपोळै, घोळै, संगळा आदि शब्दों में 'ळ' वर्ण का प्रयोग हुआ है। 'ळ' राजस्थानी भाषा का व्यंजन है, इसका उच्चारण 'ल' से किंचित अलग है। यदि आपकी स्थानीय बोली में ऐसे शब्द काम में आते हैं तो उन शब्दों की सूची बनाइए।

पाठ से आगे

1. कविता में लूणी नदी का जिक्र हुआ है। राजस्थान में अन्य कई नदियाँ बहती हैं। शिक्षक/शिक्षिका की सहायता से राजस्थान में बहने वाली प्रमुख नदियों की सूची बनाइए।
2. कविता में चित्तौड़–जैसलमेर, कोटा आदि नगरों का संदर्भ आया है। प्रदेश के मानचित्र में कविता में उल्लेखित नगरों को प्रदर्शित कीजिए।
3. कविता में बाज़रा व मक्का की फसलों का वर्णन हुआ है। आपके अंचल में कौन–कौनसी फसलें पैदा होती हैं? उनकी सूची बनाइए।

यह भी करें

1. कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी के प्रसिद्ध कवि हुए हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध किताबों एवं पत्र–पत्रिकाओं से उनकी अन्य कविताओं का संकलन कर 'मेरा संकलन' में लिखिए।
2. कविता के आधार पर 'हमारा प्यारा राजस्थान' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

जानें, गुनें और जीवन में उतारें
मनुष्यों के लिए जीवन में त्याग से बढ़कर कुछ नहीं है।